ध्येय पथ (2020-2021)

(जुलाई माह)

सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना का उद्घाटन समारोह-

01 जुलाई 2020 से 07 जुलाई 2020 तक महाविद्यालय की परम्परा के अनुसार प्रत्येक वर्ष की भाँति इस

वर्ष भी सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का आयोजन कोविड -19 प्रोटोकॉल का पूर्णतः पालन करते हुए महाविद्यालय के जगत जननी माँ सीता - सभागार में सम्पन्न किया गया । यह बैठक

प्रत्येक दिन दो सत्रों में संचालित की गई । पहले दिन प्रथम सत्र (10.30 बजे 11.30) में कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का उद्घाटन प्राचार्य प्रदीप कुमार रॉव द्वारा किया गया । प्राचार्य जी ने प्रस्ताविकी तथा सम्पूर्ण कार्ययोजना प्रस्तुत की। द्वितीय सत्र में अध्ययन - अध्यापन हेतु तकनीकी कौशल विकसित करने हेतु सुझाव प्रस्तुत किये गये ।इस विषय पर प्रवक्ता डॉ॰ विजय कुमार चौधरी , डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा श्री अभिषेक वर्मा सहित अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए ।

दूसरा दिन - 2 जुलाई को शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के दूसरे दिन प्रथम सत्र में प्राचार्य डॉ॰ प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में शैक्षिक पंच्चाग दायित्व सह - विभाजन , प्रवेश, परीक्षा, परिसर अनुशासन विषय पर तथा द्वितीय सत्र में पुस्तकालय , स्वच्छता , प्रयोगशाला विषय पर चर्चा की गई । जिसमें प्रवक्ता डॉ॰ राजेश शुक्ला , डॉ॰ आर एन सिंह , श्री रमाकान्त दूबे तथा श्रीविनय कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने अपनी बात रखी।

तीसरा दिन - 03 जुलाई को बैठक के तीसरे दिन प्रथम सत्र में Nss, पठन पाठन, नैक तथा द्वितीय सत्र में वेबसाइट विषय पर डॉ॰ सौरभ कुमार सिंह, डॉ ० अभय कुमार सिंह,कृष्णकुमार सिंह, डॉ॰ अविनाश प्रताप सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने विचार प्रस्तुत किया।

चौथा दिन - 04 जुलाई को कार्यशाला एवं बैठक के चौथे दिन प्रथम सत्र में उन्नत भारत अभियान, गोद लिए गाँव, गोद लिए गये विद्यार्थी तथा द्वितीय सत्र में पाठ्यक्रम योजना, प्रार्थना सभा , तथा क्रीड़ा विषय पर चर्चा गई । श्रीमती कविता मन्ध्यान, श्रीमती पुष्पा निषाद डॉ॰अजय निषाद तथा डॉ॰ आरती सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने विचार प्रस्तुत किये।

पाँचवा दिन - 05 जुलाई कों बैठक के पाँचवे दिन प्रथम सत्र में विभागीय कार्ययोजना, छात्र संघ, द्वितीय सत्र में ध्येय पथ ई-पत्रिका, निः शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, निःशुल्क सिलाई, कढ़ाई विषय पर सुश्री श्वेता चौबे, डॉ रामसहाय, सुश्री सुनिधि गुप्ता सहित अन्य शिक्षकों ने अपने विचार एवं सुझाव रखे।

छठवाँ दिन - 06 जुलाई बैठक के छठवे दिन प्रथम सत्र में एन सी सी ०, रोवर - रेंजर्स, प्रमाण - पत्र पाठ्यक्रम , बागवानी तथा द्वितीय सत्र में शोध - पत्रिका प्रकाशन, छात्रा समिति, ई0पी ० एफ० विषय पर डॉ॰ कृष्ण कुमार सिंह, श्री नवनीत कुमार सिंह, श्रीमती शिप्रा , डॉ सुभाष कुमार गुप्ता ने अपने विचार रखे।

सप्त दिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का समारोप कार्यक्रम -

07 जुलाई 2020 को कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के सातवें दिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० प्रदीप कुमार रॉव की अध्यक्षता में प्रथम सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा महत्वपूर्ण आयोजन जैसे - महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला, साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह, युवा महोत्सव, भारत-भारती परववारा, समावर्तन संस्कार बदली हुई परिस्थिति में कैसे कराया जाय विषय पर विचार विमर्श किया गया इस पर सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ॰ प्रज्ञेश कुमार मिश्र , श्री कान्त मणि त्रिपाठी ने अपने विचार रखें। द्वितीय सत्र में समारोप कार्यक्रम के

अवसर पर सात दिनों तक चलें शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में सम्पूर्ण विषयों की कार्य योजना से सम्बन्धित लिए गये निर्णयों को प्राचार्य डॉ० प्रदीप कुमार रॉव ने प्रस्तुत किया। सात दिनों के गहन विचार - विमर्श और अनेक सुझावों के आलोक में सत्र 2020 - 2021 के लिए महा विद्यालय की वार्षिक योजना एवं शैक्षिक पंचांग निर्मित किया किया।

पौधा - रोपण कार्यक्रम -

04 जुलाई को महाविद्यालय में कोविड 19 प्रोटोकॉल का पूर्णतः पालन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में वन महोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत पौधारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ ०प्रदीप कुमार राव द्वारा नारियल के पौधे को रोप कर किया गया। पौधारोपण के अन्तर्गत सफेद चन्दन , रुद्राक्ष, आम, अनार, नीम, पीपल, अर्जुन, आदि के पौधे लगाये प्रवक्ता डॉ॰ अभय कुमार सिंह, डॉ० आर० एन ० सिंह, डॉ आरती सिंह सहित अन्य शिक्षकों द्वारा लगाये गयें । इस अवसर पर समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

महात्मा गाँधी के 150 वें जंयती वर्ष के पावन अवसर पर बी०एड० विभाग द्वारा दो दिवसीय ऑन -लाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी -

उद्घाटन

27-28 जुलाई को महात्मा गाँधी के 150 वें जंयती वर्ष के अन्तर्गत 'वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य और महात्मा गाँधी' विषय पर दो दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन बी० एड० विभाग द्वारा किया गया ।संगोष्ठी का उद्घाटन भाषण महात्मा अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय , वर्धा के कुलपति प्रो रजनीश शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ० प्रदीप कुमार रॉव ने दो दिनों तक चलने वाली इस संगोष्ठी की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की । उद्घाटन समारोह का संचालन बी एड विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह तथा आभार ज्ञापन प्रदीप कुमार रॉव ने किया।

प्रथम सत्र - प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता प्रो रजनीश शुक्ला कुलपति महात्मा अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा ने' वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य और महात्मा गाँधी' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन बी0एड0 विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह , प्रश्नों का संकलन प्रवक्ता श्वेता चौबे तथा आभार ज्ञापन डॉ प्रदीप कुमार रॉव ने किया।

द्वितीय सत्र-

द्वितीय सत्र में विषय विशेषज्ञ श्री हरिकेश बहादुर, पूर्व सांसद, लोकसभा ने इस विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया । कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह तथा प्रश्नों का संकलन श्वेता चौबे तथा आभार ज्ञापन डॉ प्रदीप कुमार राव ने किया।

तृतीय सत्र -

28 जुलाई को ऑन -लाइन संगोष्ठी के दूसरे दिन प्रातः 10 बजे तृतीय सत्र प्रारम्भ हुआ। इस सत्र में विषय विशेषज्ञ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो॰ टी॰ पी॰ सिंह ने 'प्रवासी

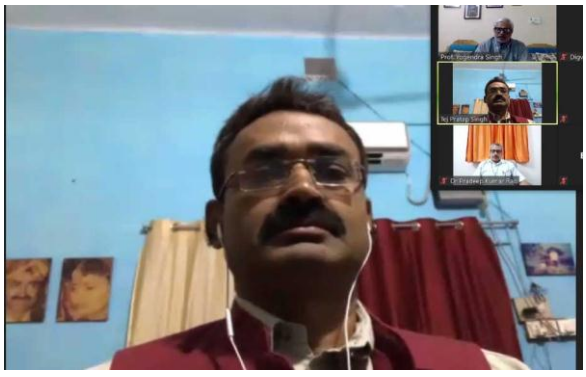

भारतीय मजदूर 'विषय पर तथा जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, प्रो० योगेन्द्र सिंह ने 'महात्मा गाँधी एवं चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह ,प्रश्नों का संकलन श्वेता चौबे तथा आभार ज्ञापन डॉ॰ प्रदीप कुमार ने द्वारा किया गया।

समारोप

28 जुलाई को ऑन -लाइन संगोष्ठी के समापन अवसर पर अध्यक्ष के रूप में पूर्व केन्द्रीय मंत्री , भारत सरकार, श्री हुकुम देव नारायण यादव ने महात्मा गांधी जी पर विचार प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का संचालन बी0एड0 विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह तथा आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ प्रदीप कुमार राव ने किया

प्राचार्य - शिक्षक ऑन लाइन बैठक

31 जुलाई 2020 को प्राचार्य- शिक्षक ऑन लाइन बैठक प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। बैठक मे 1अगस्त से स्नातक द्वितीय व तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष की

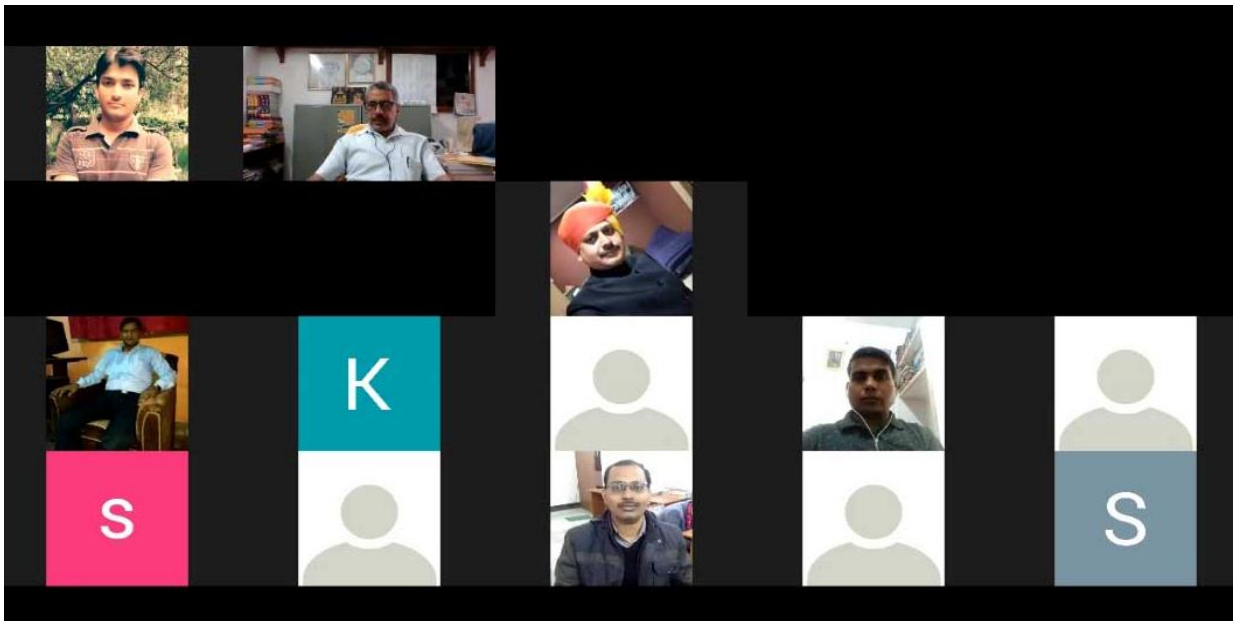

ऑनलाइन कक्षाएँ प्रारम्भ करने तथा ऑन लाइन प्रार्थना प्रारम्भ करने पर चर्चा की गई । बैठक में प्राचार्य व शिक्षक उपस्थित रहें।